

जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

जयपुर। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का राजस्थान का 55 वां सेंटर खुल गया है। सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार टक ने इस केंद्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. रमिता शर्मा ने एक पीपीटी के जरिये बताया कि अखिर वरों गैनेरिक दवाईयां जल्द ही। पीएमबीआई के सीईओ शंतनु कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्देश्य महंगी दवाईयों को सस्ती दर पर मरीजों को उपलब्ध कराना है।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



गोपाल, गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

www.rashtriyaгарिमा.com

आयुष्मान कार्ड से पहली रूटो सर्जरी, महिला का मुफ्त हुआ जटिल ऑपरेशन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में आयुष्मान भारत योजना के तहत पहली बार एक जटिल ब्यूरो सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इस महंगे ऑपरेशन का मुफ्त में सफल इलाज होने से जलपाईगुड़ी शहर के पांड्याड़ा निवासी 60 वर्षीय मुन्नी रॉय और उनके परिवार को करीब तीन साल से चली आ रही पीड़ा से राहत मिली है। दरअसल, मुन्नी रॉय करीब तीन साल पहले गिर गई थीं। हड्डी में उनकी कमर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद से वह लगातार दर्द से परेशान थीं।

अब 20 किमी. की ऊंचाई से होगी दुश्मन की निगरानी,हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म का ट्रायल

एचएपीएस ने 21 किमी. की ऊंचाई हासिल की और 30 मिनट से ज्यादा समय तक आसमान में रहा

नई दिल्ली। भारत को 20-25 किमी. की ऊंचाई से जमीन पर नजर रखने वाली हथियार प्रणाली विकसित करने में कामयाबी मिली है डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म (एचएपीएस) का सफल ट्रायल किया है। एचएपीएस ने मध्यम स्तर से 21 किमी. की ऊंचाई हासिल की और 30 मिनट से ज्यादा समय तक आसमान में रहा। इसके बाद इसे वापस जमीन पर उतरने का आदेश दिया गया। सिस्टम को सफलतापूर्वक रिकवर करने के बाद फ्लाइट



परफॉर्मंस डेटा का विश्लेषण किया गया। ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन पर एयरबोन प्लेटफॉर्म से डीआरडीओ के मुताबिक पूरी फ्लाइट के दौरान रियल-टाइम वीडियो डेटा और बाकी सभी

पैरामीटर लिए गए, जिससे तय फ्लाइट परफॉर्मंस का पता चला। सिस्टम में कई इंस्ट्रुमेंटेशन और कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक पैकेज थे जैसे इन्शियल मेजरमेंट यूनिट, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम रिसीवर, ऑनबोर्ड कैमरे, एल्टीट्यूड कंट्रोल मैकेनिज्म के अलावा कई दूसरे सब-सिस्टम भी थे। यह ट्रायल भारतीय वायुसेना, डीजीसीए, एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और दूसरी सिविल अथॉरिटी जैसी कई एजेंसियों के साथ कोआर्डिनेशन में किया गया था। हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म हवा से हल्का सिस्टम है और लंबे समय तक चलने वाला समताप मंडल हवाई निगरानी मंच है, इसे आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट डिजाइन और

विकसित कर रहा है। यह सौर ऊर्जा से चलने वाला मानव रहित विमान (यूएवी) या एयरशिप है, जो पृथ्वी की सतह से लगभग 17 से 25 किलोमीटर की ऊंचाई पर समताप मंडल में उड़ान भरता है। इसे %हाई एल्टीट्यूड स््यूडो सैटेलाइट% भी कहा जाता है। यह पारंपरिक उपग्रहों और कम ऊंचाई वाले ड्रोनों के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह पारंपरिक हवाई यातायात और मौसम की गतिविधियों से काफी ऊपर रहकर काम करता है। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें लंबे समय तक एक ही क्षेत्र के ऊपर तैनात रखा जा सकता है। डीआरडीओ के मुताबिक ये सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं और बिना उतरे लगातार कई हफ्तों, महिनों या वर्षों तक हवा में रह सकते हैं।

अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले पारंपरिक उपग्रहों की तुलना में इन्हें बनाना और लॉन्च करना काफी सस्ता होता है। यह जमीन पर मौजूद मोबाइल उपकरणों को सीधे हाई-स्पीड इंटरनेट और दूरसंचार सेवाएं प्रदान कर सकता है। इसे सीमाओं पर 24 घंटे रियल-टाइम टोह लेने, जासूसी करने और दुश्मन को हरकतों पर पैनी नजर रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। दूर-दराज या ग्रामीण इलाकों में ब्रॉडबैंड और मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार करना, प्राकृतिक आपदा के समय अस्थायी रूप से संचार नेटवर्क बहाल करना, मौसम की भविष्यवाणी, कृषि अवलोकन और समुद्री गश्ती में मदद करना इनका मुख्य मकसद है।

भाजपा ने सभी वर्गों को दिया सम्मान,दो-तिहाई बहुमत से फिर बनेगी सरकार : ओपी राजभर

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के 8 राज्यसभा उम्मीदवारों के नामांकन को लेकर पार्टी की सामाजिक भागीदारी की सराहना की। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की राज्यसभा रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके बड़े-बड़े दावे चुनावी मैदान में फलोंप साबित हुए हैं। वहीं, दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के विरोध को लेकर भी राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधा। राजभर नेकहा कि भाजपा ने राज्यसभा के लिए घोषित आठ उम्मीदवारों की सूची में अलग-अलग सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में जिन वर्गों की बात की थी, भाजपा ने आठ सीटों में सभी वर्गों को समायोजित करने का प्रयास



किया है। पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग और अनुसूचित वर्ग समेत अलग-अलग सामाजिक समूहों से लोगों को राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा में ऐसे लोगों की भी अवसर मिलता है, जिनके बारे में पहले यह कल्पना करना मुश्किल था कि वे देश की सर्वोच्च विधायी संस्थाओं में पहुंचेंगे। राजभर ने पाल समाज का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक वर्ग के व्यक्ति को भी राज्यसभा जाने का अवसर मिला है। भाजपा की यही

सामाजिक प्रतिनिधित्व की नीति उसे अन्य दलों से अलग करती है। अखिलेश यादव के उस दावे पर कि समाजवादी पार्टी का तीसरा राज्यसभा उम्मीदवार ऐसा होगा जिससे भाजपा के पैरों तले जमीन खिसक जाएगी, राजभर ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के दावे आज फलोंप हो गए। समाजवादी पार्टी में परिवार और धन को प्राथमिकता दी गई। परिवार के लिए रामगोपाल यादव और धन के लिए धनीराम को उम्मीदवार बनाया गया। उन्होंने दावा

किया कि अखिलेश यादव जिस बड़े राजनीतिक मुकामले की बात कर रहे थे, उसके बजाय भाजपा के उम्मीदवारों के सामने प्रभावी चुनौती पेश नहीं की जा सकती। राजभर ने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ने भाजपा के इशारे पर काम किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को भाजपा से सीखना चाहिए कि पार्टी किस तरह अलग-अलग सामाजिक वर्गों के लोगों को राजनीतिक अवसर देती है। राजभर ने नाई, प्रजापति, पाल, कुम्हार, लोहार और मुस्लिम समाज का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास करती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव राज्यसभा चुनाव में तीसरे उम्मीदवार को लेकर लगातार बड़ा दावा कर रहे थे, लेकिन अंत में उनका दावा जमीन पर दिखाई नहीं दिया। राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता केवल दरी बिछाते रह जाएंगे और नारे लगाते रहेंगे, जबकि उन्हें राजनीतिक रूप से कुछ हासिल नहीं होगा। अखिलेश यादव की 403 विधानसभा सीटों पर नजर होने के बयान पर भी राजभर ने प्रतिक्रिया दी।

कॉल रिसीव करते ही बन गया न्यूड वीडियो,50 लाख रूपए की हुई ठगी

फर्जी पुलिस और जेल का लूटफ दिखाकर युवक हुआ लैकमेलिंग का शिकार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में डिजिटल फ्रांड और ऑनलाइन सेक्सटॉर्शन का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक अनजान नंबर से आए न्यूड वीडियो कॉल के जरिए जालसाजों ने 26 वर्षीय एक कामकाजी युवक को इस कदर डराया-धमकाया कि उसने अपनी गाढ़ी कमाई के करीब 50 लाख रुपये गंवा दिए। साइबर ठगों ने पहले वीडियो वायरल करने की धमकी दी और फिर दिल्ली पुलिस के बड़े अधिकारी बनकर गिरफ्तारी और सात साल की जेल का खौफ दिखाया। इस तरह किरतों में युवक से कुल 49.78 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। घटना की शुरुआत 3 सितंबर 2026 की रात को हुई। अहमदाबाद में एक निजी कंपनी में कार्यरत



पीड़ित युवक अपने घर पर मोबाइल चला रहा था। इसी दौरान उसके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आई। कॉल उठाते ही स्क्रीन पर एक युवती आपत्तिजनक (न्यूड) अवस्था में दिखी। घबराकर युवक ने तुरंत कॉल डिस्कनेक्ट की और उस नंबर को ब्लॉक कर दिया। कुछ ही देर बाद दूसरे नंबर से कॉल आई, जिसमें कॉलर ने दावा किया कि उसकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली गई है और यदि उसने पैसे नहीं दिए तो इसे सोशल मीडिया और उसके

परिचितों में वायरल कर दिया जाएगा। उस वक्त युवक ने डर के बावजूद कॉल काट दी और भेजे गए कथित वीडियो को डिलीट कर दिया। शुरुआती ब्लैकमेलिंग के करीब तीन हफ्ते शांत रहने के बाद ठगों ने अपने शांतिर नेटवर्क का दूसरा चरण शुरू किया। 27 सितंबर को युवक के पास एक अज्ञात कॉल आई, जिसमें कॉलर ने खुद को 'दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच का अधिकारी संजय अरोड़ा' बताया। फर्जी अधिकारी ने युवक पर अश्लील वीडियो से जुड़े गंभीर अपराध में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हो रहा है, जिसमें सात साल की जेल हो सकती है। जेल और बदनामी के डर से युवक बुरी तरह सहम गया। फर्जी पुलिस अधिकारी ने युवक को झांसे में लेते हुए कथित तौर पर यू-ट्यूब के अधिकारी हेमंत मल्होत्रा से उसकी बात कराई।

इंसानियत हुई शर्मसार : ‘शुद्धिकरण’ के नाम पर महिला को पेड़ से बांधा



गुजरात के सुरेंद्रनगर में सबके सामने दरिदगी कराकर बनाया वीडियो

सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से मानवता और कानून-व्यवस्था को तार-तार कर देने वाली एक भयावह घटना सामने आई है। अपने पति को छोड़कर दूसरे पुरुष के साथ रहने गई एक शादीशुदा महिला को उसके पति और ग्रामीणों ने पकड़कर ‘शुद्धिकरण’ के नाम पर ऐसी बर्बर यातनाएं दीं, जिसने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। आरोपियों ने महिला को पेड़ से बांधकर पीटा और फिर जिस व्यक्ति के साथ वह गई थी, उसी के साथ सबके सामने जबरन यौन संबंध बनाने पर मजबूर किया। आरोपियों ने इस घिनौनी करतूत का वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दो महिलाओं समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता अपने पति को छोड़कर किसी अन्य

पुरुष के साथ रहने चली गई थी। इससे नाराज पति और उसके परिवार के सदस्यों ने कुछ दिन पहले उसे पकड़ लिया था और घर के एक कमरे में बंद कर दिया था। महिला किसी तरह मौका पाकर वहां से दोबारा भाग निकली और फिर से उसी पुरुष के पास पहुंच गई। इसके बाद पति और उसके कुछ परिचित दोनों की तलाश में जुट गए और आखिरकार उन्हें ढूंढकर जबरन पकड़ लाए। आरोप है कि महिला को सुरेंद्रनगर लाकर तथाकथित सामाजिक मर्यादा और ‘शुद्धिकरण’ के नाम पर अमानवीय व्यवहार का शिकार बनाया गया। उसे रस्सी से एक पेड़ से बांध दिया गया और उसके साथ जमकर मारपीट की गई। इसके बाद भीड़ ने दरिदगी को सारी हद्दे पार करते हुए उस पुरुष को महिला के साथ सरेआम जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। बेबस पीड़िता की चीख-पुकार के बीच आरोपी इस पूरी घटना का हंसते हुए वीडियो बनाते रहे और बाद में उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जैसे ही यह शर्मनाक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से फैलने लगा, पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सुरेंद्रनगर के पुलिस अधीक्षक (स्क) प्रेमसुख डेलू ने बताया कि वीडियो का संज्ञान लेते हुए तुरंत पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सबसे पहले पीड़िता को सुरक्षित तलाश कर उसका बयान दर्ज कराया। इसके बाद तकनीकी साक्ष्यों और वीडियो फुटेज के आधार पर दबिश देकर मामले में सिलिप्त 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस घृणित अपराध में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और मामले की गहन कानूनी जांच जारी है।

वह यादगार तारीख जब मदर टेरेसा ने बोया था जनसेवा का बीज

कोलकाता। सात अक्टूबर का दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ दर्ज है, लेकिन इस तारीख को मानवता की सेवा के लिए नया अध्याय तब लिखा गया जब मदर टेरेसा को 1950 में बेटिकन से ‘मिशनरी ऑफ चैरिटी’ की स्थापना की मंजूरी मिली। यह संस्था, जिसकी शुरुआत कलकत्ता में मात्र 13 सदस्यों के साथ हुई थी, आज लाखों स्वयंसेवकों के साथ देशभर में सैकड़ों अनाथालय, अस्पताल और धर्मार्थ केंद्रों का संचालन करती है, जो गरीबों और वंचितों की सेवा में समर्पित हैं। मदर टेरेसा का नाम आज भी निस्वार्थ सेवा का पर्याय है। सेवाभाव के इस दिन ने संगीत और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में भी महान शख्सियतों को जन्म दिया। 7 अक्टूबर 1914 को मल्लिका-ए-गुज़ल बेगम अख्तर, अख्ती बाई फैजाबादी के नाम से पैदा हुई। गुज़ल, ठुमरी और दादरा गायकी में उनकी महारत ने उन्हें दुनियाभर में प्रसिद्ध किया, जिसके लिए उन्हें पद्म श्री और मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसी तारीख को 1931 में दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ अभियान चलाने वाले डेसमंड ट्यूट का जन्म हुआ, जिन्हें 1984 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

विश्वत्यापी परिणाम होंगे

दुनिया में लगभग एक तिहाई ऊर्जा एवं अन्य जरूरी चीजों का नौवहन होरमुज और बाब-ए-मंदब जलमार्गों से होता है। यानी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के नौवहन पर ईरान और अंसारुल्लाह ने लगभग निर्णायक प्रभाव जमा लिया है। यमन में अंसारुल्लाह (हूती) की ताजा कामयाबियों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र के समीकरण में बड़ा बदलाव ला दिया है। सऊदी अरब समर्थित कथित अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार से अंसारुल्लाह बागियों ने यमन के पूरे लाल सागर तट और बाब-अल मंदब जलडमरूमध्य को छीन लिया है। यानी अब यमन के पश्चिमी तटीय इलाकों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीपों- मैयूना, पेरिम, हानीश द्वीप समूह, जुकार आदि पर अंसारुल्लाह का नियंत्रण है। अंसारुल्लाह ईरान के सहयोगी हैं। उनके बाब-अल-मंदब तट तक पहुंच जाने का उस क्षेत्र के शक्ति संतुलन पर दूргामी असर होगा। दुनिया में लगभग एक तिहाई ऊर्जा एवं अन्य जरूरी चीजों का नौवहन होरमुज और बाब-अल-मंदब जलमार्गों से होता है। होरमुज पर ईरान ने पहले से अपना नियंत्रण कायम कर रखा है। इस तरह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के नौवहन पर ईरान और अंसारुल्लाह ने एक तरह से निर्णायक प्रभाव जमा लिया है। इस बीच अंसारुल्लाह ने सऊदी अरब के ऊर्जा टिकानों पर भीषण हमले किए हैं। इससे सऊदी अरब से कच्चे तेल का निर्यात बेहद बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यही वजह है कि इस समय पूरी दुनिया में कच्चे तेल की कीमत में फिर से तेज उछाल आया है। यमन लंबे समय से गृह युद्ध का शिकार है। 2011 के बाद से वहां कुछ इलाकों पर अंसारुल्लाह का कब्जा रहा, जबकि कुछ इलाकों पर सऊदी अरब और यूएई समर्थक ताकतें काबिज रहीं। बीते जनवरी में सऊदी फौज ने यूएई समर्थकों को खेदड़ दिया। अब अंसारुल्लाह ने सऊदी समर्थकों से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके छीन लिए हैं। ये सारा घटनाक्रम पश्चिम एशिया में अमेरिका की कमजोर पड़ी स्थिति का परिणाम है। मार्च 2025 में अंसारुल्लाह को परास्त करने के लिए अमेरिका ने यमन पर बमबारी की, लेकिन बाद उसने युद्धविराम कर लिया। खबरों के मुताबिक अंसारुल्लाह के ताजा हमलों के मद्देनजर सऊदी युवराज मोहम्मद-बिन-सलमान ने डॉनल्ड ट्रंप से दो बार दखल देने की गुजारिश की, जिसकी उन्होंने अनदेखी कर दी। इन घटनाओं का सीधा संदेश है कि पश्चिम एशिया में ईरान और उसके सहयोगियों ने प्रभावशाली पकड़ बना ली है। इस घटनाक्रम के विश्वव्यापी परिणाम होंगे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता हैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

भोपाल, गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

www.rashtriyagarima.com

04

जंगल की पगडंडियों पर अब सुरक्षित कदम, चरण पादुका से मिला श्रम को सम्मान

गुलाब उड़सेना

छत्तीसगढ़ के जंगल केवल हरियाली और प्राकृतिक संपदा के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वनांचल में बसे लाखों परिवारों की आजीविका का आधार भी हैं। इन्हीं जंगलों में सुबह की पहली किरण के साथ हाथों में तेंदूपत्ता संग्रहण की टोकरी लिए निकलने वाले संग्राहकों के सामने कंटीली झाड़ियां, नुकीले पत्थर और ऊबड़-खाबड़ पगडंडियां होती हैं। कई घंटे जंगल में चलकर किया जाने वाला तेंदूपत्ता संग्रहण उनके परिवार की आमदनी का महत्वपूर्ण जरिया है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर की रोजमर्रा की जरूरतों तक इस मेहनत से जुड़ी हैं। ऐसे में इन कठिन वन-पथों पर संग्राहकों के पैरों तक पहुंच रही चरण पादुका उनके लिए केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा का सहारा और उनके श्रम के सम्मान का अहसास बन रही है। करीब पांच साल से बंद इस लोककल्याणकारी योजना को ‘मोदी की गारंटी’ के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुनः प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री साय ने कोंडागांव में आयोजित ‘जंगल जररा 2024’ महासम्मेलन में चरण पादुका योजना को फिर शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद दुर्ग जिले के जामगांव में महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका पहनाकर योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। योजना के पुनः संचालन से प्रदेश के 12 लाख 40 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को इसका लाभ दिया जाना है। प्रदेश के नवीनतम जिलों में एक सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में चरण पादुका योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इस योजना के अभ्यर्थियों के सुखद किस्से कहानियां भी सामने आ रही है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 18 हजार 225 तेंदूपत्ता संग्राहकों तक पहुंची चरण पादुका इसी जमीनी बदलाव की कहानी कहती है।

नशीले पदार्थों को ‘ना’ और जिंदगी को ‘हां’ कहें

सुधांशु पंत

यह एक दृश्य अक्सर दोहराया जाता है – लगभग हर कॉलेज के छात्रावासों में, हर कार्यालय की पार्टियों में और साथ जवान हो रहे दोस्तों के हर समूह में। कुछ नशीले पदार्थ एक-दूसरे तक पहुंचाए जाते हैं। इस क्रम में एक बात काफी सहजता के साथ, लेकिन जोर देकर कही जाती है कि बाकी सब भी तो ऐसा ही कर रहे हैं। ऐसे में, मना करना कुछ ऐसा लगता है मानो आप समूह के बाकी साथियों से अलग-थलग हो रहे हों। इसके बाद एक पल की चुप्पी छाती है। और फिर एक युवा अपने साथियों के समूह को ‘ना’ कहने से पैदा होने वाली शर्मिंदगी और अलग-थलग पड़ जाने की बेचैनी के बीच जल्दी से फैसला ले लेता है। यही एक निर्णायक पल होता है, क्योंकि तब हमेशा सोच-समझकर लिए गए फैसले से नहीं लगती। अक्सर इसकी शुरुआत पीछे छूट जाने के डर से होती है। नशीले पदार्थों को ना, जिंदगी को हां यही वह मौन लेकिन अहम पल है, जिसको ध्यान में रखकर ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ (एनएमबीए) की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य नशीले पदार्थों की लत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। लेकिन इसकी असली चुनौती सामाजिक रही है: नशे से मुक्त रहने का फैसला लेने को आसान बनाना, उस फैसले की अभिव्यक्ति को सहज बनाना और कुल मिलाकर, इस पूरी कवायद को एक सामान्य बात के तौर पर देखना आसान बनाना। दृढ़ संकल्प जब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को एनएमबीए की शुरुआत की, तो इस अभियान ने एक कहीं अधिक कठिन चुनौती से जूझना तय किया। यह कठिन चुनौती थी – किसी कमजोर पल में, एक अकेले व्यक्ति द्वारा अपने साथियों के समूह के सामने ‘नहीं’ कहने की हिम्मत लाने की। इस दृष्टि से, इस अभियान का सबसे असरदार शब्द शायद सबसे आसान शब्द है, ‘ना!’ यह कोई नाटकीय ‘ना!’ नहीं है। यह कोई नैतिक उपदेश नहीं है। बस जब आपके आस-पास के सभी लोग जब ‘हां’ कह रहे हों, तब बिना विचलित हुए मना करने का आत्मविश्वास है। माननीय प्रधानमंत्री ने कहा है, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत ‘नशा मुक्त युवा’ नाम ही इस संकल्प को पूरी तरह स्पष्ट करता है। अब जबकि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तो यह जरूरी है कि हमारे युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आत्मविश्वास से भरे हों और



हमेशा नशे की जानलेवा लत से मुक्त रहें। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशे की लत के खतरों को समझें, जागरूक रहें और इससे दूर रहें। इस संकल्प को साकार करने में ‘राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा अभियान’ अब एक अहम भूमिका निभा रहा है। एनएमबीए: साझा जिम्मेदारी का एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन छह वर्ष बाद, वह एक पहल अब एक बहुत बड़े अभियान का हिस्सा बन गई है। यह अभियान संकल्प लेने और लोगों को जोड़ने की गतिविधियों के जरिए 13.71 करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंचा है। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में 31 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षिक परिसरों में विद्यार्थियों का स्वैच्छिक रूप से संकल्प लेना अब एक आम बात हो गई है और ग्राम सभाएं भी अब इस मुद्दे पर नियमित रूप से चर्चा करती हैं। जहां पहले लोग अपने परिवार के किसी सदस्य की लत को निजी शर्म की बात मानकर छिपाते थे, वहीं अब 10.65 करोड़ से अधिक महिलाओं, स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) और सामुदायिक नेटवर्कों के जरिए, इस बारे में खुलकर और अपनी भाषा में अपने पड़ोसियों से बात करनी ली हैं। 19 सितंबर, 2026 तक, 1.70 लाख से अधिक ‘नशा मुक्ति मित्र (एनएमएम)’ सामुदायिक स्तर पर चैंपियन बनकर उभरे हैं और 34.57 करोड़ से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।



समितिवार आयोजन कर पात्र संग्राहकों को चरण पादुका प्रदान की गई। वितरण के दौरान जो पात्र हितग्राही किसी कारणवश योजना का लाभ लेने से छूट गए, उन्हें भी पीछे नहीं छोड़ा गया। विभागीय अमले ने ऐसे संग्राहकों के घर-घर पहुंचकर चरण पादुका प्रदान की, जिससे योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा सके। जिले में बिलाईगढ़, धनसीर, भटगांव, मनपसार, विष्णुपाली, बरमकेला, मल्दा, सहसपानी, बटाऊपाली, तौसीर, झीकौपाली, झाल, बिस्नीपाली, केदार, सालर और करनपाली समितियों के माध्यम से पात्र तेंदूपत्ता संग्राहकों को योजना से लाभान्वित किया गया है। समितिवार आयोजनों से लेकर छूटे हुए संग्राहकों के घर तक चरण पादुका पहुंचाने की इस पहल ने योजना के क्रियान्वयन को जमीनी स्तर तक पहुंचाया है। इन आंकड़ों के पीछे जंगल की पगडंडियों पर रोज मेहनत करने वाले हजारों परिवार और उनकी जरूरतें जुड़ी हुई हैं। चाटीपाली की महिला संग्राहकों के कदमों को मिला सुरक्षा का साथ योजना से मिली राहत को चाटीपाली के तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के अनुभवों में करीब से महसूस किया जा सकता है। यहां सुलेखा यादव, प्रेमवती, दिनेश यादव और बिमला यादव के परिवारों की महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका योजना का लाभ मिला है। तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए नियमित जंगल जाने वाली इन महिलाओं को रोज कंटीली झाड़ियों, पत्थरों और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। सुलेखा यादव और प्रेमवती के परिवार की महिला संग्राहकों के लिए चरण पादुका मिलने से जंगल में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान पैरों की सुरक्षा में सुविधा हुई है। पहले कठिन रास्तों पर चलते समय कांटों और पत्थरों से चोट लगने की चिंता बनी रहती थी। अब चरण पादुका के कारण उन्हीं पगडंडियों पर चलना अपेक्षाकृत अधिक सहज हुआ है।

यादव बताते हैं कि उनके परिवार की महिला सदस्य नियमित रूप से तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल जाती हैं। चरण पादुका मिलने से जंगल आने-जाने और संग्रहण के दौरान पैरों की सुरक्षा में मदद मिली है। परिवार के लिए यह सहायता उनके रोजमर्रा के काम में उपयोगी साबित हो रही है। बिमला यादव के परिवार की महिला तेंदूपत्ता संग्राहक को भी योजना का लाभ मिला है। जंगल में कई घंटे तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान पैरों की सुरक्षित रखने में चरण पादुका उपयोगी साबित हो रही है और कठिन वन-पथ पर काम करना अधिक सुविधाजनक हुआ है। इन परिवारों के अनुभव बताते हैं कि चरण पादुका की एक जोड़ी केवल वितरण का आंकड़ा नहीं है। जंगल की कठिन पगडंडी पर रोज चलने वाली महिला संग्राहक के लिए यह सुरक्षा, सुविधा और अपने श्रम को सम्मान मिलने का अहसास भी है। तेंदूपत्ता से चलती है घर-गृहस्थी, सुरक्षित हो रही आजीविका की राह वनांचल के अनेक परिवारों के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण से मिलने वाली आय घर-गृहस्थी का महत्वपूर्ण सहारा है। इसी आमदनी से रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों की पढ़ाई और परिवार के दूसरे आवश्यक खर्चों में मदद मिलती है। ऐसे में संग्रहण के दौरान मिलने वाली सुरक्षा सीधे उनकी आजीविका से जुड़ जाती है। जंगल की जिन पगडंडियों पर उन्हीं रोज चलना है, उन्हीं रास्तों पर उनके कदमों की सुरक्षित और सहज बनाना योजना की व्यावहारिक उपयोगिता को सामने लाता है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से जनकल्याण की ऐसी अनेक तस्वीरें सामने आ रही हैं, जहां योजनाओं का असर आंकड़ों से आगे बढ़कर लोगों के रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देता है। चरण पादुका योजना भी इसी कड़ी की एक तस्वीर है।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन सुशिर्यों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया रेडयूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्गों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ से सक्त है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन फेवरबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में रहेगा। किरानत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रु पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित होंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकलेगा, जिससे आपको सुखी होगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छ रहने वाला है। आज माता पिता के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा, कार्यों को जल्द पूरा करने से सफलता मिलेगी। बिजनेसमैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दुरिया बनकर रहेगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टीरी लिख सकते है, जिसे लोगों द्वारा खूब प्रसंद किया जायेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस टिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं, आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छ अवसर मिलेगा। कोरिडोर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा होगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छ रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जायेंगे, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही गूची देखने का प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको गंभिर्य में फायदा होगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवनेट के लिये आज का दिन बढ़िया है, किसी अच्छे रेस्टोरंट में लंच के लिए जायेंगे। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आज आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रहेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर गूची का आत्म बनेयेंगे। दोस्त की बर्थ डे पार्टी में जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा। कोई नई स्किल सीख सकते है जिसका लाभ आपको गंभिर्य में जरूर मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपके अच्छे विचार लोगों में अलग पहचान बनाने में मदद करेंगे। घर पर डेकोरेशन का काम भी करवाने का मन बनायेंगे। कार्टिवर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है। आज अपने डेली रूटीन में कुछ बदलाव करेंगे।



ऋचा चड्ढा लेकर आई नया ट्रैवल शो मुसाफिरी, दिखेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास



अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी का पहला एपिसोड रिलीज हो रहा है। इस सीरीज में मुंबई शहर के इतिहास, वहां के समुदायों, छिपी हुई कहानियों और कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा। पहले एपिसोड में मुंबई के इतिहास, कल्चर और कुछ सबसे हैरान करने वाले राज दिखाए गए हैं। इस एपिसोड में किम कार्दशियन और साउथ मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक काला घोड़ा के बीच एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है। ऋचा ने मुंबई को भी एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से बताए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की माता देवी माना जाता है।अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें जानने की कोशिश नहीं करते। अभिनेत्री ने कहा, मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थीं।एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाता है और गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों बनाया गया था, इसके बारे में भी बताया गया है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जो लोग पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी शहर को एक अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं।मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर आएगा।एक्टिंग की बात करें तो, वह आखिरी बार संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी: द डायमंड बाजार में देखी गई थीं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट एरिया पर बनी यह सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत तवायफों के जीवन और राजनीतिक और व्यक्तिगत संघर्षों के साथ उनके जुड़ाव को दिखाती है।सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल और ताहा शाह बद्शा शामिल हैं। सिनेमा में वह आखिरी बार मृगदीप सिंह लांबा द्वारा डायरेक्टेड फुकरे 3 में देखी गई थीं।



परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, रिपोर्टिंग लाइव में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल माध्यम पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अपराध रोमांचक थ्रंखला ‘शक’ से डिजिटल दुनिया में कदम रखने वाली परिणीति अब फिल्म ‘रिपोर्टिंग लाइव’ में नजर आएंगी। फिल्म की ओटीडी प्रदर्शित होने की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। इसमें परिणीति एक महिला पत्रकार की भूमिका निभाती दिखाई देंगी।ध्रुव त्रिपाठी के निर्देशन में बनी ‘रिपोर्टिंग लाइव’ एक महत्वाकांक्षी युवा पत्रकार की कहानी है। फिल्म के जरिए अवैध रेत खनन की अंधेरी दुनिया को सामने लाने का प्रयास किया गया है। कहानी में निर्दयी रेत माफिया और उससे जुड़े अपराधों के बीच पत्रकार के संघर्ष को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। फिल्म की कहानी पत्रकारिता, अपराध और रेत के अवैध कारोबार के इर्द-गिर्द घूमती है। परिणीति का किरदार इस पूरे आपराधिक तंत्र को पड़ताल करते हुए उससे जुड़े सच को सामने लाने की कोशिश करता नजर आएगा।‘रिपोर्टिंग लाइव’ के जारी पोस्टर में परिणीति चोपड़ा के साथ देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी नजर आ रहे हैं। इससे फिल्म में मजबूत सहायक कलाकारों की मौजूदगी का संकेत मिलता है।फिल्म का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाथ ने किया है। निर्देशन की जिम्मेदारी ध्रुव त्रिपाठी ने संभाली है। ‘रिपोर्टिंग लाइव’ का प्रदर्शन 9 अक्टूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। डिजिटल मंच पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में परिणीति को एक गंभीर और खोजी पत्रकार की भूमिका में देखने का मौका मिलेगा। अब दर्शकों की नजर फिल्म की कहानी और परिणीति के इस नए किरदार पर टिकी है।

वर्क फॉम होम के दौरान बार-बार भटक जाता है ध्यान? अपनाएं ये तरीके

कोरोना के बाद से घर से काम करने का चलन काफी बढ़ गया है। यह न केवल कर्मचारियों को आराम देता है, बल्कि उन्हें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का मौका भी देता है। हालाँकि, घर पर काम करते समय कई बार रुकावटें आती हैं, जो काम करने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिनसे आप इन रुकावटों को कम कर सकते हैं और अपने काम पर ध्यान केंद्रित रख सकते हैं।

एक खास जगह तय करें

घर में एक ऐसी जगह तय करें, जो केवल आपके काम के लिए हो। इससे आपका दिमाग उस जगह को काम करने की जगह के रूप में पहचान लेगा और आपकी काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

इस जगह पर एक आरामदायक कुर्सी और टेबल रखें, जिससे आप लंबे समय तक आराम से बैठ सकें।

इसके अलावा इस जगह को व्यवस्थित रखें, ताकि आपको बार-बार चीजें ढूँढ़ने के लिए समय बर्बाद न करना पड़े और आपका ध्यान भटक नहीँ।

परिवार और दोस्तों से दूरी बनाएँ

अगर आपके घर में अन्य लोग भी रहते हैं तो उनसे थोड़ी दूरी बनाकर रखें, जब आप काम कर रहे हों। उन्हें समझाएँ कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें।

इसके लिए आप नोटिस बोर्ड लगा सकते हैं, जिससे वे जान सकें कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें।

यह तरीका न केवल काम करने की क्षमता बढ़ाएगा, बल्कि परिवार के सदस्यों को आपके काम का महत्व समझने में मदद करेगा।



समय का प्रबंधन करें

अपनी दिनचर्या को इस तरह से सेट करें कि आप समय पर काम शुरू करें और समय पर खत्म करें।

इसके लिए आप अलार्म या कैलेंडर ऐप्स का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको समय पर काम खत्म करने की

याद दिलाएंगे।

इसके अलावा बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, ताकि आपका दिमाग तरोताजा रहे और आप अपनी ऊर्जा बनाए रख सकें। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने काम को समय पर पूरा कर सकेंगे।

तकनीकी उपकरणों का सही उपयोग करें

तकनीकी उपकरण, जैसे कंप्यूटर और मोबाइल फोन आदि का सही उपयोग करें, ताकि आपको बार-बार इनकी तलाश न करनी पड़े। अगर आपका कंप्यूटर धीमा हो रहा है तो उसे सुधारे या बदलें।

मोबाइल फोन पर सूचनाएं बंद रखें, ताकि आपका ध्यान भटक नहीँ। इसके अलावा इंटरनेट कनेक्शन को स्थिर रखें, ताकि बार-बार डिस्कनेक्ट होने की समस्या न हो।

इससे आपका काम बिना किसी रुकावट के चलता रहेगा और आप अधिक प्रभावी बन सकेंगे।

खुद को प्रेरित रखें

खुद को प्रेरित रखने के लिए सकारात्मक विचार अपनाएं और अपने लक्ष्यों को याद रखें। अपने लिए छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर सकें।

इससे आपकी आत्मविश्वास बढ़ेगी और आप अधिक प्रेरित महसूस करेंगे। इसके अलावा अपने काम के दौरान कुछ प्रेरणादायक वीडियो या किताबें पढ़ें, जो आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा दें।

इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने काम पर ध्यान केंद्रित रख सकेंगे और अपनी काम करने की क्षमता बढ़ा सकेंगे।

००



रणबीर कपूर की रामायण की बदली रिलीज डेट, अब 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को होगी रिलीज!

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के पोस्टर के बाद इसका टीजर और ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसी बीच फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव की खबर सामने आई है। हालाँकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक नई तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, 'रामायण: पार्ट 1' को 6 नवंबर को रिलीज किया जाना था। हालाँकि, सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि निर्माता अब फिल्म को एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने 5 नवंबर की तारीख तय कर ली है और फिल्म को दुनियाभर में एक ही दिन प्रदर्शित करने की योजना बनाई जा रही है। नई रिलीज तारीख को लेकर संबंधित पक्षों की मंजूरी की प्रक्रिया चल



रही है। अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद निर्माता आधिकारिक तौर पर तारीख की घोषणा कर सकते हैं।

फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।फिल्म की रिलीज तारीख नजदीक आने के साथ ही इसके प्रचार अभियान को भी तेज कर दिया गया है। हाल ही में फिल्म के पोस्टर का भव्य स्तर पर अनावरण किया गया। पहले पोस्टर में राम, सीता और लक्ष्मण के किरदारों की

झलक दिखाई गई, जबकि दूसरे पोस्टर में रावण के रूप में यश का लुक सामने आया।

फिल्म के प्रचार अभियान के बीच दर्शकों की नजर अब इस बात पर है कि 'रामायण: पार्ट 1' आखिर किस तारीख को सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

निवेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण: पार्ट 1' का निर्माण नमित मल्होत्रा ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं। रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

वहीं, यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। अरुण गोविल राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। रकुलप्रीत सिंह शूर्पणखा और लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म के प्रचार सामग्री और ट्रेलर में प्रमुख किरदारों की झलक सामने आ चुकी है। हालाँकि, हनुमान के किरदार का पूरा रूप अभी तक आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है।

द वन का ओपनिंग वीकेंड पर गदर, हैवान से पेढ़ी तक साल की 26 फिल्मों की लाइफटाइम कमाई को दी मात



सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत लोक-कथा आधारित रोमांचक फिल्म 'द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। अच्छी शुरुआत के बाद फिल्म की कमाई में दूसरे दिन बढ़ोतरी देखने को मिली और रविवार को तीसरे दिन इसके कारोबार में और बड़ा उछाल आया। शुरुआती सप्ताहंत में फिल्म ने कुल 33.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है।

'पंचायत' के लिए मशहूर निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म पौराणिक लोककथाओं, काल्पनिक दुनिया, रोमांच, रहस्य और अलौकिक शक्तियों को एक साथ पेश करती है। फिल्म में बिहार की लोककथाओं और सांस्कृतिक परिवेश की झलक के साथ आस्था के महापर्व छठ को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। यही वजह है कि बिहार के साथ दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी फिल्म को लेकर दर्शकों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म के कारोबार की बात करें तो 'द वन' ने पहले दिन शुरुवार को 8 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद शनिवार को फिल्म के कारोबार में अच्छी बढ़ोतरी हुई और इसने 11.25 करोड़ रुपये कमाए।वहीं, सैकनल्क की शुरुआती रज़ान रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने तीसरे दिन यानी रविवार को करीब 14 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही तीन दिनों में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 33.25 करोड़ रुपये हो गई है। 'द वन' ने शुरुआती सप्ताहांत में ही कई फिल्मों के पूरे सिनेमाघर कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 33.25 करोड़ रुपये के तीन दिवसीय कारोबार के साथ फिल्म ने 2026 में प्रदर्शित 'हैवान' और 'पेढ़ी' के हिंदी संस्करण समेत करीब 26 फिल्मों के जीवनकाल के कारोबार को मात दे दी है।

केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

आमतौर पर लोग केले के छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका इस्तेमाल पौधों के लिए प्राकृतिक खाद के रूप में किया जा सकता है? केले के छिलके में पोटेशियम, फास्फोरस और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको केले के छिलके को खाद में बदलने के कुछ आसान टिप्स बताते हैं।

केले के छिलकों को सुखाएं

केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए सबसे पहले उन्हें सुखाना जरूरी है। इसके लिए केले के छिलकों को धूप में रखकर सुखाएं। इससे उनमें मौजूद नमी खत्म हो जाएगी और वे आसानी से टूटने लगेंगे। सूखे हुए छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें खाद में मिलाना आसान हो जाए। इस प्रक्रिया से छिलकों में मौजूद पोषक तत्वों को भी बढ़ावा मिलेगा और वे पौधों के लिए अधिक फायदेमंद होंगे।

पानी में उबालें

सूखे हुए केले के टुकड़ों को पानी में उबालना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें कटे हुए छिलकों को डाल दें।जब पानी उबलने लगे तो आंच बंद कर दें और मिश्रण को ढंढा होने दें। ढंढा होने के बाद इस पानी को अपने पौधों पर डालें।यह पानी आपके पौधों को पोषण देने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ बनाए रखेगा।

भूरी बनाना

केले के छिलकों को भूरी बनाना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को मिक्सर में पीस लें, ताकि वे बारीक पाउडर बन जाएं।इस पाउडर को आप सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में घोलकर अपने पौधों पर डाल सकते हैं।इससे आपके पौधों को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलेगा और वे अच्छी तरह से बढ़ भी सकेंगे।

जैविक खाद बनाना

केले के छिलकों से जैविक खाद बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि इसमें छोटे जीवाणु विकसित हो सकें और यह खाद बन सके।

जब यह मिश्रण काली मिट्टी जैसा दिखने लगे तो आपकी जैविक खाद तैयार हो जाएगी, जिसे आप अपने पौधों की जड़ों में डाल सकते हैं।

प्राकृतिक खाद बनाना

प्राकृतिक खाद बनाने के लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें गुड़ या चीनी मिलाएं, ताकि छोटे जीवाणु सक्रिय हो सकें।अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि यह अच्छी तरह से गल सके और खाद तैयार हो जाए। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर पर ही केले के छिलके से प्राकृतिक खाद बना सकते हैं, जो आपके पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होगी।





अफ्रीका से भारत ऐसी साझेदारी बनाएगा जो आने वाली पीढ़ियों के लिए होगी

घाना में अफ्रीका और ग्लोबल साउथ विषय पर गोष्ठी में जयशंकर ने कही बात

अकरा,। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घाना के फॉरेन सर्विस इंस्टीट्यूट में कहा कि भारत अफ्रीका को अपने दिल में बसाए हुए है और वह ऐसी साझेदारी बनाएगा जो न सिर्फ आज के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए होगी। घाना में अफ्रीका और ग्लोबल साउथ विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आज के उथल-पुथल भरे दौर में कूटनीति के सामने चुनौती यह है कि प्रतिस्पर्धा को टकराव में बदले बिना उसे कैसे संभाला जाए और हितों के अलग होने पर भी सहयोग को कैसे बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने भारत की महत्वाकांक्षा, काम करने के तरीके और आत्मविश्वास की कहानी पर



रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि कैसे अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, डिजिटल, मैनुफैक्चरिंग, उद्यमिता और लोगों की आकांक्षाओं में हो रहे बदलाव देश को

वैश्विक विकास का एक अहम इंजन बना रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, का संबंध सप्लाय चैन की मजबूती, तकनीकी क्षमताओं और जरूरी सामान

बनाने की क्षमता से है। उन्होंने कहा कि भारत कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ अहम क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को भी महत्व देता है। विदेश मंत्री ने भारत और अफ्रीका के लिए अपनी युवा आबादी को उत्पादक, कुशल और सशक्त नागरिकों में बदलने के महत्व पर जोर दिया। ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि यह भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 में अफ्रीकन यूनियन को शामिल किए जाने में देखा गया था। उन्होंने एक सुधारे हुए वैश्विक व्यवस्था के भारत के विजन पर प्रकाश डाला जो अफ्रीका और लोबल साउथ के विकास, प्रगति और समृद्धि का समर्थन करे। जगशंकर ने अफ्रीका के साथ भारत की मजबूत साझेदारी को रेखांकित किया, जिसमें व्यापार, बुनियादी ढांचा, क्षमता विकास,

मानवीय सहायता और आपदा राहत, कृषि, स्वास्थ्य और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर क्षमताओं वाला भारत एक ज्यादा गंभीर और असरदार पार्टनर है। हम अफ्रीका को अपने दिल में बसाए हुए हैं और हम ऐसी पार्टनरशिप बनाएंगे जो न सिर्फ आज के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी होगी। जयशंकर ने घाना में भारतीय समुदाय और भारत के दोस्तों से भी बातचीत की और दोनों देशों के बीच पार्टनरशिप को मजबूत करने में उनकी कोशिशों की तारीफ की। जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुदुजेटो अब्लाक्रा और शिक्षा मंत्री हारुना इड्रिसु के साथ मिलकर फ्रेंगीपानी का पौधा लगाया। यह भारत की एक पेड़ मां के नाम और घाना की ट्री फॉर लाइफ पहल की भावना को दर्शाता है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी कोई विचार नहीं, पूरा ध्यान युद्ध खत्म करने पर

रुबियो ने लड़ाई आगे बढ़ने के तरीके पर जताई चिंता, टैंड पर रखे रहे हैं नजर

वॉशिंगटन,। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर काम कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तर्कों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लगा रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रुबियो ने कहा कि अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो ने कहा कि अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका

निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे। रुबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने चर्चा के दौरान यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और हाई नॉर्थ इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात की। रुबियो ने कहा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है।



बैंकाक में बाढ़ के पानी के बीच से मोटर साइकिल निकालते हुए एक रहवासी।

नेपाल के गृह मंत्री गुरुंग आएंगे भारत, गृह मंत्रियों की पहली बैठक में लेंगे भाग

काठमांडू,। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग अगले सप्ताह भारत आ रहे हैं। वह 13 अक्टूबर को नई दिल्ली में होने वाली बीआईएमएसटीईटी देशों के गृह मंत्रियों की पहली बैठक में हिस्सा लेंगे। नेपाल के गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने इस दौरे की जानकारी दी। यह सुदन गुरुंग की गृह मंत्री बनने के बाद पहली विदेश यात्रा होगी। उन्होंने 27 मार्च को पीएम बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में बनी सरकार में गृह मंत्री का पद संभाला था। मीडिया रिपोर्ट में नेपाली गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि गुरुंग 12 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे। बीआईएमएसटीईटी यानी बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और

थाईलैंड शामिल हैं। पहली गृह मंत्री स्तर की बैठक में सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। बैठक में सीमा पर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। इसके अलावा आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हो सकती है। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक गुरुंग भारत के गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य देशों के गृह मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक भी कर सकते हैं। हालांकि उनके पूरे कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। भारत में रहने वाले नेपाली समुदाय के लोगों से मुलाकात की संभावना भी बताई जा रही है।

चीन का बढ़ा दबदबा, कतर को दिया 3 अरब डॉलर का कर्ज

बीजिंग। चीन की विस्तारवादी नीति अब जमीनी सीमाओं से बढ़कर वैश्विक कारोबार और निवेश पर केंद्रित होती दिख रही है। खासकर मध्य-पूर्व में, जहां उसने अपने आर्थिक दबदबे को तेजी से बढ़ाया है। उसने ईरान के साथ अपने पारंपरिक रिश्तों को मजबूत करने के साथ-साथ अरब देशों में भी निवेश बढ़ाकर अपने लिए नए अवसर पैदा किए हैं। चीन ने ईरान और अरब देशों के बीच जारी तनाव का लाभ उठाते हुए, दोनों हाथों से पैसे लुटाए और रणनीतिक बहुत हासिल की। इसी कड़ी में, चीन ने दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादक देश कतर को एक बड़ा वित्तीय समर्थन दिया है।

ट्रंप ने नजरिया नहीं बदला, मिड-टर्म चुनावों को बाधित किया तो मैं बेकाबू हो जाऊंगा

लॉस एंजेलिस,। हॉलीवुड के जाने-माने एक्टर मार्क रफालो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जमकर निशाना साधा है। हाल ही में न्यूयॉर्क शहर में आयोजित हैंड्स ऑफ आवर वोट इवेंट में, रफालो ने एक जोरदार भाषण में साफ तौर पर चेतावनी दी कि यदि ट्रंप ने अपना रवैया नहीं बदला और आने वाले मिड-टर्म चुनावों में मतदान प्रक्रिया को बाधित किया, तो वे हल्क आउट यानी गुस्से में बेकाबू हो जाएंगे। बता दें ये मिड-टर्म चुनाव 3 नवंबर को होने वाले हैं, अमेरिकी राजनीति पर अहम प्रभाव डाल सकते हैं, जिससे डेमोक्रेट्स को कांग्रेस पर और अरब देशों के बीच जारी तनाव का लाभ उठाते हुए, दोनों हाथों से पैसे लुटाए और रणनीतिक बहुत हासिल की। इसी कड़ी में, चीन ने दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादक देश कतर को एक बड़ा वित्तीय समर्थन दिया है।

ने भी भाषण दिए। अपने संबोधन में रफालो ने इन चुनावों के महत्व को बताते हुए कहा कि यह चुनाव बहुत अहम है, इसमें बहुत कुछ दांव पर लगा है। हम सभी जानते हैं कि हम उन्हें चुरी तरह हरा देंगे, लेकिन हम यह भी जानते हैं कि वे चुनाव चुराने की कोशिश करेंगे। वे अपनी पूरी ताकत लगा देंगे और हमारी जीत वाली रात ही सब कुछ खत्म नहीं हो जाएगा। उन्होंने इसके बाद मतदान में साइबर सुरक्षा के संवेदनशील मुद्दे पर विस्तार से बात की और इस दौरान एलन मस्क का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा एलन, हमें उन खबरों के लिए भी तैयार रहना होगा जो शायद हमें अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं। यही इन चुनावों की साइबर सुरक्षा है और भले ही मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन मैंने विशेषज्ञों से बात की है। एक बात जो मैंने बार-बार सुनी है, वह यह है कि जब वोटों को पोलिंग बूथ से काउंटी हेडक्वार्टर और फिर राज्यों तक भेजा जाता है, तो उनमें गड़बड़ी की गुंजाइश होती है।

भारतीय पायलट रिम्त मच्छर को अमेरिकी संसद में सम्मान

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसद जोश गॉटहाइमर ने भारतीय पायलट रिमित मच्छर को सम्मान में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें फ्लाईडुबई की उड़ान 1073 में सवार सभी यात्रियों की जान बचाने के लिए उनके असाधारण साहस की सराहना की गई है। न्यू जर्सी से डेमोक्रेट सांसद गॉटहाइमर द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव में मच्छर के साथ-साथ विमान में मौजूद इयूटी से बाहर के पायलटों, केबिन क्रू और यात्रियों के साहसिक कदमों की भी तारीफ की गई है, जिन्होंने हमले के दौरान विमान को सुरक्षित रखने और यात्रियों की जान बचाने में मदद की। प्रस्ताव में फ्लाईडुबई की इस उड़ान पर हुए हमले को आतंकवादी घटना और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन की सुरक्षा पर सीधा हमला बताया गया है। प्रस्ताव में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की सरकारों से इस मामले की पूरी और तेजी से जांच करने की मांग की गई है, साथ ही अमेरिका और इजरायल को जांच से जुड़ी पूरी जानकारी देने की बात कही गई है। यह प्रस्ताव उस घटना के संदर्भ में है जब रिमित मच्छर ने इजरायल जा रही इस उड़ान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश को नाकाम किया था।

गंगाजल समझौते में ढाका ने निकाली खामियां, कहा फिर से बात होगी!



ढाका,। बांग्लादेश ने गंगा जल समझौते को लेकर भारत पर उंगली उठाई है, जिसमें देश के प्रमुख नदी जल विशेषज्ञ मंजूर ए. चौधरी ने 1996 के समझौते को पुराना और कई मायनों में दोषपूर्ण करार दिया है। उनके अनुसार, यह समझौता न तो गारंटी क्लॉज प्रदान करता है और न ही नदी के पारिस्थितिक प्रवाह और पर्यावरणीय प्रवाह जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को पर्याप्त जगह देता है। बांग्लादेश की नेशनल रिवर कंजर्वेशन कमीशन (एनआरसीसी) के पूर्व अध्यक्ष मंजूर ए. चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा गंगा जल समझौता दिसंबर में समाप्त होने वाला है। इस स्थिति में, उन्होंने दोनों देशों से फिलहाल तीन साल के लिए एक अल्पकालिक समझौते पर पहुंचने का आग्रह

किया है। उनका मानना ​​है कि इस अंतरिम अवधि में नए सिरे से शोध और गहन बातचीत के बाद एक बेहतर और दीर्घकालिक समझौता तैयार किया जा सकता है, जो आधुनिक चुनौतियों का समाधान कर सके।

चौधरी के मुताबिक, गंगा जल समझौता लगभग तीन दशक पुराना है और इसमें कई महत्वपूर्ण पहलू अनुपस्थित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समझौते में गारंटी क्लॉज के साथ-साथ नदी के पारिस्थितिक और पर्यावरणीय प्रवाह का भी ध्यान नहीं रखा गया है, जो कि नदी के स्वास्थ्य और जैव विविधता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जलवायु परिवर्तन से जुड़े कारकों को भी समझौते में शामिल किए जाने की तत्काल

आवश्यकता बताई। उनके अनुसार, मौजूदा समझौता मुख्य रूप से नदी के पानी के बंटवारे पर केंद्रित है, जबकि किसी भी प्रभावी समझौते में नदी की समग्र सेहत का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि गंगा का जरूरत से ज्यादा दोहन न हो और उसका प्राकृतिक संतुलन बना रहे। दिसंबर में मौजूदा समझौते की अवधि समाप्त होने से पहले, मंजूर ए. चौधरी ने दोनों देशों को तीन साल के लिए एक अस्थायी समझौते पर विचार करने का प्रस्ताव दिया है। उनका तर्क है कि इस अवधि में किए गए नए शोध और बातचीत के जरिए एक ऐसा नया गंगा जल समझौता तैयार किया जा सकता है, जिसमें तकनीक और पर्यावरण से जुड़े नवीनतम बदलावों को शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा समझौता दिसंबर में समाप्त हो जाएगा, जब तक कि भारत और बांग्लादेश इसे अगले तीन दशकों के लिए फिर से जारी करने पर सहमत नहीं होंगे। चौधरी ने यह भी वकालत की है कि भविष्य के गंगा जल समझौते में नेपाल को भी बातचीत में शामिल किया जाए। उनका कहना ​​है कि भारत आमतौर पर गंगा जल समझौते को भारत-बांग्लादेश के बीच एक द्विपक्षीय समझौते के तौर पर देखता है, लेकिन कम पानी वाले महानों में नेपाल की घाघरा, गंडक और कोसी नदियों से बड़ी मात्रा में हिमपातजनित का पानी गंगा में आता है। इसलिए, यदि गंगा की पूरी तरह से देखभाल करनी है, तो इन नदियों की भी निगरानी आवश्यक होगी।

सक्षिप्त समाचार

तनाव कम करने के लिए यूरैनियम संवर्धन रोकना जरूरी : जेडी वेंस

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को समाप्त करने के प्रयासों के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक साक्षात्कार में बड़ा बयान दिया है। वेंस ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान युद्ध समाप्त करना और अमेरिका के साथ कोई समझौता करना चाहता है, तो उसे अपनी परमाणु ईंधन संवर्धन यानी यूरैनियम एन्रिचमेंट की क्षमता में प्रभावी रूप से भारी कमी करनी होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि अमेरिका केवल भविष्य में परमाणु गतिविधियां कम करने के मौखिक आश्वासनों को पर्याप्त नहीं मानेगा, बल्कि ईरान को जमीन पर ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने सवाल उठाया कि यदि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहता है, तो आखिर उसे 60 प्रतिशत तक अत्यधिक संवर्धित यूरैनियम की आवश्यकता क्यों है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान को यह साबित करना होगा कि वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है, क्योंकि अमेरिका केवल बातों से संतुष्ट नहीं होने वाला है। पिछले कुछ हफ्तों से दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होनुपु जलडमरूमध्य को फिर से खोलने को लेकर प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक स्तर पर उज्ज और तेल की आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के हालिया प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और संकेत दिया है कि मध्यावधि चुनाव के बाद सैन्य कार्रवाई और अधिक तेज की जा सकती है। वेंस के सामने एक और बड़ी कूटनीतिक चुनौती यह स्पष्ट होना है कि ईरान में वास्तविक नीतिगत फैसले कौन लेता है। अमेरिका वर्तमान में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बातचीत कर रहा है, लेकिन वॉशिंगटन को यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि ईरानी सत्ता व्यवस्था में इन नेताओं के पास वास्तव में कितनी शक्ति है। दूसरी ओर, ईरान ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिका अच्छी तरह जानता है कि उसके वातकार कौन हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय का आरोप है कि मुख्य समस्या अमेरिकी अधिकारियों के परस्पर विरोधाभासी बयानों में है। इस भू-राजनीतिक संघर्ष की भारी आर्थिक कीमत अमेरिका के लिए भी बड़ी चिंता का विषय बन गई है। युद्ध पर प्रतिमाह लगभग 3 अरब डॉलर का भारी खर्च और वैश्विक स्तर पर बढ़ती ऊर्जा कीमतें अमेरिकी चुनावी राजनीति को भी सीधे तौर पर प्रभावित कर रही हैं।

स्कूली विद्यार्थियों के समर्थन में फ्रांस में लाखों लोगों ने किया प्रदर्शन

पेरिस। शिक्षा के लिए अधिक धन की मांग कर रहे स्कूली विद्यार्थियों के समर्थन में फ्रांस में ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किया जबकि पेरिस और अन्य शहरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिनमें 56 हजार पेरिस में थे। इन प्रदर्शनों से निवर्तमान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रशासन पर दबाव बढ़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक छात्रों ने हाई स्कूलों की नाकेबंदी के बीच मासैय, स्ट्रुसबर्ग और अन्य शहरों में झंडे व तख्तियां लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। सितंबर के बीच में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब देशव्यापी आंदोलन में बदल चुका है। छात्रों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ आंसू गैस और दंगा-रोधी हथियारों के व्यापक इस्तेमाल से अभिभावकों और शिक्षकों में भी नाराजगी बढ़ रही है। कुछ छात्र संगठनों ने गुरुवार को नए प्रदर्शन का आह्वान किया। फ्रांस के पीएम सेबेस्तियन लेकोनू ने कहा कि सरकार और स्कूल नेतृत्व को छात्रों की चिंताओं को सुनकर उनका समाधान तलाशना चाहिए। उन्होंने स्कूलों को प्रभावित करने वाली "अत्यधिक हिंसा" की निंदा की और पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई किसी भी "दुर्घटना" की जांच का आश्वासन दिया है। छात्रों ने जुरि कक्षाओं की ओर ध्यान दिलाया है, जहां मेज और कुर्सियों जैसे निजार्थी सुविधाओं का अभाव है। एयर कंडीशनिंग नहीं होने के कारण गर्मियों में ये कक्षाएं बेहद गर्म हो जाती हैं और कुछ जगहों पर चूहों का प्रकोप भी है। शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों की शिकायतें और उनके सुझाव जानने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। पड़ोसी देश बेल्जियम में भी छात्रों के प्रदर्शन हुए, जहां लीज में 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पीएम मोदी ने लंबे समय से भारतीय समाज और राष्ट्र के विकास के लिए काम किया

टोक्यो,। पीएम नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक नेतृत्व के 25 साल पूरे करने पर जापानी पीएम सनए ताकाइची ने बधाई दी है। ताकाइची ने एक पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी ने लंबे समय से भारतीय समाज और राष्ट्र के विकास के लिए काम किया है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश आने वाले समय में भी साथ मिलकर जन कल्याण के लिए काम करते रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापानी पीएम ताकाइची ने कहा कि वर्ष 2001 से मुख्यमंत्री के रूप में पीएम मोदी ने लंबे समय तक उत्कृष्ट राजनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। सरकार के प्रमुख के तौर पर पीएम मोदी के 25 साल पूरे होने के मौके पर मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देना चाहती हूं। ताकाइची ने जुलाई में अपनी भारत यात्रा को भी याद किया और गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान उन्हें भारत की खान-पान संस्कृति और संगीत को करीब से जानने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अगले साल भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ होगी। यह दोनों देशों के संबंधों के लिए एक अहम पड़ाव है। ताकाइची ने कहा कि फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मैं पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करना चाहती हूं ताकि जापान और भारत, जिनकी रणनीतिक दिशा एक जैसी है, अपनी साझेदारी को और आगे बढ़ा सके। बता दें भारत और जापान अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी से आगे बढ़ाकर आर्थिक सुरक्षा, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा और हिंद-प्रशांत सहयोग के व्यापक क्षेत्रों में मजबूत कर रहे हैं। जुलाई में पीएम मोदी और ताकाइची की वार्षिक शिखर बैठक में दोनों देशों ने ‘स्पेशल स्टूटेंजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप’ को और मजबूत करने पर जोर दिया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप जल्द करेंगे पुतिन से बात

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस संबंध में जल्द ही कुछ और जानकारी साझा कर सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उसने पुतिन से बात करने और अमेरिका के अगले कदम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मेरी एक कॉल तय है, और बातचीत बहुत जल्द होगी। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं और संभवतः कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की अपनी इच्छा दोहराई है, जिसे उन्होंने सोमवार को मैरीलैंड के स्प्रींग फील्ड में एक अलग कार्यक्रम में स्वीकार किया कि यह उम्मीद करे की अधिक मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हू। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा। उन्होंने आगे कहा, उस जगह में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुखद हैं। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं। सैन्य शक्ति पर बात करते हुए, ट्रंप ने रूस को पनडुब्बी विकास में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बताया, लेकिन साथ ही अमेरिका की तकनीकी बढ़त का दावा किया।

2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत-पाकिस्तान के एक ही ग्रुप में होने से रोमांच बढ़ा



मुम्बई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप ए में रखा गया है, जिसने टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ा दिया है। विश्वकप कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें कुल 14 टीमों हिस्सा लेंगी, जो 12 मैदानों पर 57 मुकाबले खेलेंगी। ये टूर्नामेंट तीन चरणों में आयोजित होगा। कुल 10 टीमों को सीधे ग्रुप स्टेज में जगह मिली है, जिनमें भारत और पाकिस्तान भी शामिल हैं। शेष दो स्थानों के लिए तीन टीमों के बीच एक सुपर-सीरीज खेली जाएगी, जिनमें से केवल दो टीमों ही अंतिम 12 में अपनी जगह पक्की कर

पाएंगी। ग्रुप ए को निस्संदेह सबसे चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें क्रिकेट जगत की कुछ सबसे बड़ी टीमों शामिल हैं- भारत, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और मेजबान जिम्बाब्वे। यह ग्रुप इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें तीन पूर्व विश्व चैंपियन छह बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया, दो बार की विजेता भारत और एक बार का विजेता पाकिस्तान मौजूद हैं। ग्रुप ए का पहला महामुकाबला 7 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा, जो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें कंगारुओं ने भारत को 6 विकेट से हराया था। वहीं प्रशंसकों फैंस को सबसे ज्यादा जिस मैच का इंतजार है, वह भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला

धोनी सहित ये क्रिकेटर अपने डेब्यू मैच में खाता भी नहीं खोल पाये थे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित कुछ ऐसे भी क्रिकेटर हुए हैं जो अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय के डेब्यू मैच में तो खाता भी नहीं खोल पाये पर इसके बाद इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। इस सूची में धोनी के अलावा के एल राहुल से लेकर अभिषेक शर्मा तक हैं। इस सूची में पहला और शायद सबसे हैरन वाला नाम धोनी का है। जिन्होंने देश को पहला टी20 विश्व कप दिलाया और अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम किए, उनका टी20 इंटरनेशनल डेब्यू भी बिना रन बनाए आउट होने की घटना से जुड़ा है। साल 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले टी20 मैच में, धोनी सिर्फ 2 गेंदें खेलकर बोल्ड हो गए थे। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि शुरुआती झटके किसी महान करियर की राह में बाधा नहीं बनते, बल्कि कभी-कभी तो एक प्रेरक बिंदु बन जाते हैं।अपना नाम प्रतिभाशाली बल्लेबाज केवल राहुल का है, जो अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत में गोल्डन डक का शिकार हुए थे। साल 2016 में

जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टी20 मुकाबले में, राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। हालांकि, उनकी यह खराब शुरुआत उनके टी20 करियर को परिभाषित नहीं कर सकी। इसके बाद उन्होंने इस फॉर्मेट में कई शानदार पारियां खेलीं, शतक जड़े और भारतीय टीम के अहम सदस्य बने। हाल ही में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल में धूम मचाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस सूची में शामिल हैं। जिस अभिषेक की विस्फोटक बल्लेबाजी से आज दुनिया भर के गेंदबाज खौफ खाते हैं, उन्हें भी अपने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू में शून्य पर आउट होने का अनुभव हुआ। साल 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए, अभिषेक शर्मा 4 गेंदें खेलने के बावजूद अपना खाता नहीं खोल पाए और बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दबाव और माहौल बिल्कुल अलग होता है, और यह अभिषेक के पहले मैच में साफ नजर आया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगता दैनिक



राष्ट्र एक वगीचा है और हम सब इसके माली

टी20 की सबसे बेहतर टीम बनेगी भारतीय टीम : श्रेयस अय्यर

लखनऊ । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में मिल 8 विकेट की आसान जीत के बाद उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी टीम सबसे बेहतर टी20 टीम बनेगी। मैच में नाबाद शतकीय पारी खेलने से उत्साहित श्रेयस ने कहा कि उनकी टीम आक्रामक अंदाज में खेलते हुए नंबर एक टीम बनेगी। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 171 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने महज 14.4 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। अय्यर ने मात्र 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे उन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सबसे तेज शतक जड़ने में रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने ईशान किशन के साथ तीसरे

विकेट के लिए 137 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। श्रेयस जीत से बेहद खुश दिखे। उन्होंने कहा, **फ़**जीत का स्वाद निश्चित रूप से अलग होता है और ड्रेसिंग रूम में हम इसी बारे में बात करते हैं। अगर आपका दिन है तो सुनिश्चित करें कि आप टीम के लिए मैच जीतें। आज मेरा दिन था। पिछले कुछ मैचों में दूसरे बल्लेबाजों ने मैच खत्म किया था। उन्होंने आगे कहा, कुल मिलाकर यह हमारे लिए हर विभाग में शानदार प्रदर्शन रहा। अगर हम इसी सोच के साथ खेलते रहे तो टी20 में सबसे खतरनाक टीमों में से एक बनेंगे। अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक को अय्यर ने अपने लिए बेहद खास पल करार दिया। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, आज के प्रदर्शन के लिए ‘उत्साह’ सही शब्द है। मैं अपने पहले शतक के बारे में सोच रहा था और आज वह पूरा हो गया। मैं निश्चित रूप से कहना चाहूंगा कि सपने सच होते हैं।

नेशंस लीग : स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर कार्टर फाइनल में प्रवेश किया

मैंड्रिड । स्पेन ने क्रोएशिया को 2–1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। स्पेन ने एक रोमांचक मुकाबले में क्रोएशिया को 2–1 से हराया। इस मैच में एक गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने अच्छी वापसी करते हुए अपने लगातार 42 मैचों से अजेय रहने के सिलसिल को बरकरार रखा है। इस जीत के साथ स्पेन ने अपने चारों ग्रुप मैचों में जीत हासिल कर लीग के अगले दौर में अपनी स्थिति बेहतर कर ली है। मैच की शुरुआत में ही स्पेन ने गेंद पर कब्जे का प्रयास करना प्रारंभ कर दिया। क्रोएशिया ने भी पहले हाफ में अच्छी टक्करी दी। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने मैच की शुरुआत से ही कई शानदार बचाव किए, उन्होंने जोसिप स्टैनिस्कि और बाद में इगोर मटानोविच के प्रयासों को नाकाम किया। हालांकि, 20वें मिनट में इवान पेर्सिच ने रिबार्डंड पर गोल कर एक गोल दगाते हुए क्रोएशिया को 1–0 की बढ़त दिला दी। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएते ने हाफ-टाइम में एलेक्स बाएना की जगह मेरिनो को मैदान पर उतारा, और यह बदलाव सफल रहा। मेरिनो ने 60वें मिनट में दानी ओल्मो के एक बेहतरीन पास पर गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर किया। इस गोल से पहले भी क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने यमल के एक प्रयास को नाकाम किया था। मैच के 78वें मिनट में, रोड्री की जगह मैदान पर आए मार्टिन जुबिमेंडी की एक गलती से पेर्सिच को मौका मिला, लेकिन साइमन ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। एक मिनट बाद, मार्क कुकुरेला पर पीछे से खरनराक तरीके से हमला करने के कारण पेर्सिच को दूसरा पीला कार्ड मिला और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया, जिससे क्रोएशिया 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। कमजोर पड़ती क्रोएशियाई टीम के खिलाफ, मेरिनो ने 88वें मिनट में जुबिमेंडी से मिले पास को लेकर, घूमते हुए टॉप कॉर्नर में शानदार शॉट मारा और स्पेन को 2–1 की निर्णायक बढ़त दिला दी, जिससे टीम की क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो गई। इसमें मेरिनो के दो गोल और गोलकीपर उनाई सिमोन के बेहतरीन बचावों की अहम भूमिका रही।

युवा चेहरों को मौका देने की रणनीति के तहत हरमनप्रीत को छोडनी पड़ी कप्तानी ?

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अचानक इस्तीफे ने खेल जगत में हलचल मचा दी है। यह फैसला गुवाहाटी में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और मुख्य कोच अमूल मजूमदार के बीच हुई एक समीक्षा बैठक के ठीक एक दिन बाद आया, जिसमें हरमनप्रीत और उपकप्तान स्मृति मंधाना भी मौजूद थीं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उस बंद कمر्रे में आखिर क्या हुआ, जिसने अगले ही दिन हरमनप्रीत को तीनों फॉर्मेट की कप्तानी से किनारा करने पर मजबूर कर दिया? क्या यह निर्णय पूरी तरह से उनका था या उन्हें कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया?वहीं क्रिकेट हलकों में यह चर्चा आम है कि भारतीय महिला क्रिकेट बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 37 वर्षीय हरमनप्रीत लगभग 17 सालों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रही हैं और लंबे समय से टीम की अगुआई कर रही थीं। उनकी उम्र और लंबे कार्यकाल को देखते हुए, कप्तानी में युवा चेहरों को मौका देने की रणनीति को इस इस्तीफे के पीछे एक बड़ा कारण माना जा रहा है। टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भी सार्वजनिक मंचों से कई बार कप्तानी संभालने की इच्छा जाहिर की है, जिससे इस अटकल की और बल मिला है। गौरतलबह है कि हरमनप्रीत और भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उनकी अगुआई में टीम ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें हाल ही में लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतना प्रमुख है। दिलचस्प बात यह है कि हरमनप्रीत ने पहले 2028 के लॉस एंजेलिस ओलिंपिक तक टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई थी, जिसके लिए भारत पहले ही क्वालीफाई कर चुका है।

व्यापार समाचार

संक्षिति समाचार

विश्व निवेशक सप्ताह शुरू, अपने भविष्य में निवेश करें, आज ही इसे सुरक्षित करें

नई दिल्ली। निवेशकों को बाजार और निवेश से जुड़े फैसले समझदारी से लेने के लिए जागरूक करने वाला विश्व निवेशक सप्ताह 5 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ सिक्योरिटीज कमीशंस (आईओएसको) की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान सेबी और एएमएफआई के नेतृत्व में चल रहा है। इस साल अभियान का संदेश अपने भविष्य में निवेश करें। आज ही इसे सुरक्षित करें है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरूकता और भरोसे के साथ निवेश करने में मदद करना है। म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए यह पहल खास है, क्योंकि किसी फंड में निवेश से पहले उसके उद्देश्य, जोखिम, लागत और रणनीति को समझना जरूरी है। बाजार के उतार-चढ़ाव में सिर्फ पिछले रिटर्न देखकर फैसला लेने के बजाय निवेशक को यह देखना चाहिए कि योजना उसके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। इस साल विश्व निवेशक सप्ताह के प्रमुख विषयों में निवेशक लचीलापन, डिजिटल धोखाधड़ी और ठगी से बचाव शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश की बुनियादी बातों और युवा निवेशकों पर भी जोर दिया जा रहा है। सेबी अपनी वेबसाइट पर फजी ट्रेडिंग ऐप और स्टॉक मार्केट गुरु के नाम पर होने वाले स्कैम जैसी धोखाधड़ी से बचने की चेतावनी दे रहा है और निवेशकों को केवल सेबी की गिनगानी वाले उत्पादों को चुनने की सलाह देता है। समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल पहल के तहत युवाओं को समझने के बाद निवेश करने, विनियमित उत्पाद चुनने, जल्दी शुरुआत करने और निवेश को बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यह अभियान सिर्फ निवेश शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का संदेश दे रहा है।

थर्मल पावर प्लांट में कोयले का स्टॉक नीचे लेवल पर, देश में महंगी होगी बिजली

नई दिल्ली। देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इसके चलते स्पांट मार्केट में बिजली की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। वहीं दूसरी ओर थर्मल पावर प्लांट में कोयले का स्टॉक भी नीचे लेवल पर आ गया है। सितंबर में इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के डे-अहेड मार्केट में बिजली की औसत कीमत बढ़कर 7.3 रुपए प्रति यूनिट हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 105फीसदी ज्यादा है। इतना ही नहीं, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के डे-अहेड मार्केट में खरीद की बोलियों में 281फीसदी का उछाल यह साफ दिखाता है कि राज्यों के बिजली वितरण निगम ग्रीड पर बढ़ती मांग से किस कदर जुझ रहे हैं। बता दें अधिकतर राज्य बिजली वितरण कंपनियां पहले से ही घाटे में चल रही हैं। ऐसे में एक्सचेंज से 7.3 रुपए प्रति यूनिट की महंगी दर पर शॉर्ट-टर्म निवेशक खरीदने से उनका वित्तीय संकट और गहरा सकता है। वहीं, जिन राज्यों के पास महंगी बिजली खरीदने का बजट नहीं है उन्होंने अपने हाथ पहले से ही छोड़ कर दिए हैं। ऐसे में बिजली की बढ़ती मांग को मैनेज करने के लिए ये ग्रामीणी और अर्ध-शहरी इलाकों में लोड शेडिंग का सहारा ले रहे हैं। नियमों के मुताबिक थर्मल पावर प्लांट के पास कम से कम 15 से 20 दिनों के कोयले का स्टॉक होना चाहिए, लेकिन अभी इनके पास सिर्फ 20.5 मिलियन टन कोयला है, जो आवश्यक स्टॉक का सिर्फ 33फीसदी है। इससे औसतन केवल 6 से 7 दिनों की जरूरतें ही पूरी हो सकती हैं। ऐसे में ग्रीड पर ब्लैकआउट का खतरा काफी बढ़ जाता है। बता दें जब आईईएक्स पर बिजली की मांग इतनी ज्यादा बढ़ जाती है, तो बिजली की प्रति यूनिट कीमत भी बढ़ती है। आखिरकार इसका सीधा बोझ राज्यों और अंततः आम उपभोक्ताओं और फैक्ट्रियों पर पड़ता है। भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी पर यह दबाव खास तौर पर ज्यादा है। यहां कोयले का स्टॉक घटकर 5.2 मिलियन टन रह गया है, जिससे इसके ज्यादातर प्लांट में सात दिनों की सप्लाई को मैनेज करने लायक स्टॉक है।

जमाकर्ताओं को बचत पर व्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी

नई दिल्ली। अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 5 अक्टूबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक चली इस बैठक में पश्चिम एशिया में तनाव से महंगाई के जोखिम, कच्चे तेल और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे फैक्टरस पर फोकस रहा। आरबीआई ने इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ाई थी। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट (0.25फीसदी) बढ़ाकर 6.50फीसदी के स्तर पर ला दिया था। इसके बाद से दिसंबर 2024 तक रेपो रेट को इसी



उच्चतम स्तर पर स्थिर रखा गया था। 2025 में हालात थोड़े सुधरने पर केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल चार बार 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की, जिससे यह घटक

5.25फीसदी पर आ गया। दिसंबर 2025 के बाद से अब तक यानी करीब 10 महीने तक रेपो रेट को इसी स्तर पर रखने के बाद अब रिजर्व बैंक ने इसमें बढ़ोतरी की है।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी सैनक: एचएसबीसी

नई दिल्ली। वैश्विक वित्तीय सेवा प्रदाता एचएसबीसी का मानना है कि सोने की कीमतों पर फिलहाल दबाव बना रहेगा, लेकिन 2027 तक इसमें फिर तेजी लौट सकती है। हालांकि, यह चमक तुरंत दिखने की उम्मीद नहीं है। इस साल 2026 में सोने ने 5,450 डालर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद 3,942 डालर प्रति औंस तक की गिरावट देखी, जो बाजार में बड़ी अस्थिरता को दिखाती है। मामले से जुड़े जानकार के अनुसार, ऊंचे कच्चे तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका ने सोने के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इन चुनौतियों के चलते बैंक ने अपने शॉर्ट टर्म गोल्ड प्राइस अनुमान में कटौती की है। जानकार बताते हैं कि 2027 में सोने की चाल काफी हद तक अमेरिकी ब्याज दरों पर निर्भर करेगी,

यदि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बाजार की मौजूदा उम्मीद से कम दरें बढ़ाता है, तब सोने को फिर से मजबूती मिल सकती है। सोने की कीमतों को केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद से बड़ा सहारा मिल रहा है, जो अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश में विविधता लाना और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव करना है। इसके अतिरिक्त, भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में वित्तीय संस्थानों के लिए सोना खरीदने के नियमों में हुए बदलाव भी बड़ी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर उस समय में जब प्रॉपर्टी और शेयर बाजार कमजोर चल रहे हैं। यह अनुमान लगा रहा है कि ऊंची कीमतों और घरेलू बजट पर दबाव के कारण प्रभावित हुई सोने की फिजिकल डिमांड अब अपने निचले स्तर के करीब पहुंच सकती है।



रोमानिया में बुखारेस्ट ऑटो शो में चीनी कंपनी चेरी की बनायी कार के नये मॉडल को देखते हुए लोग।

चांदी का बाजार 2027 में आपूर्ति अधिक, निवेश पर संशय

मुंबई। इस साल 2026 में चांदी की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जहां वर्ष की शुरुआत में चांदी 4 लाख प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, वहीं अब यह अपने उच्चतम स्तर से करीब 40 फीसदी गिरकर 2.20 से 2.30 लाख प्रति किलोग्राम के आसपास बनी हुई है। वैश्विक बाजार में भी, जो जनवरी में 121 डालर प्रति औंस था, अब यह 60 से 65 डालर प्रति औंस के बीच सिमट गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल 2027 में चांदी सप्लास हो सकती है, जिसका अर्थ है कि इसकी मांग की तुलना में उत्पादन कहीं अधिक होगा।

बैंक एसडी पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लेकर एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अगर किसी एफडी को कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है, तो बैंक उस पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि बैंक के पास ब्याज कम करने के लिए कोई वैध कारण होना जरूरी है। यह मामला हीरो एक्सपोर्ट्स और टिफिफ्स बेरीट्स, एक्सेस्टोस एंड पेंट्स लिमिटेड के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा था, जिसमें कोर्ट के आदेश पर 5.89 करोड़ रुपए की एफडी नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी में बनाई गई थी। शुरुआत में इस एफडी पर 7.75फीसदी से 8.25फीसदी तक ब्याज मिलता रहा, लेकिन 30 जनवरी 2018 से बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.5फीसदी कर दी। हीरो एक्सपोर्ट्स ने इस कटौती का विरोध किया

और मामला कोर्ट पहुंच गया। मई 2019 में, हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने बैंक को पूरी रकम हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने और 30 जनवरी 2018 से मिलने वाले ब्याज की गणना पिछले तीन साल में लागू रही औसत ब्याज दर के आधार पर करने का आदेश दिया। नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी ने इस फैसले को चुनौती दी और तर्क दिया कि आरबीआई नियमों के तहत कमर्शियल बैंकों को घरेलू धन डिपॉजिट की ब्याज दर तय करने की आजादी है। बैंक ने यह भी कहा कि एफडी की अवधि पूरी होने और उसे दोबारा न बढ़ाने पर उस रकम पर सेविंग अकाउंट की ब्याज दर मिल सकती है। हालांकि, जस्टिस अवनीश खिंग्रान और जस्टिस शैल जैन की बेंच ने बैंक की इन दलीलों को नहीं माना और नैटवेस्ट की अपील खारिज कर दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से किया वरुंअल संवाद

भोपाल। विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा, नई दिशा और जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से वरुंअल संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देशभर में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। प्रदेश में भी विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मप्र के सहकारिता,खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा विकसित भारत संकल्प सभा (सेवा ज्योति यात्रा) के

समय सीमा में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक करने के दिये निर्देश

भोपाल। राज्य शासन ने मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के अनुसार अनिवार्य रूप से अधीनस्थ कार्यालयों को समय-सीमा में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे पात्र लोक सेवकों को समय पर पदोन्नति प्राप्त हो सके। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस सम्बन्ध में सभी विभागों, संभागायुक्तों, विभागाध्यक्ष एवं कलेक्टरों को विस्तृत निर्देश दिए हैं। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश बैन ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के नियम 6 के अनुसार प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित किए जाने का स्पष्ट प्रावधान है। प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक उसके पूर्ववर्ती वर्ष में सामान्यतः माह सितम्बर से माह नवम्बर के मध्य आयोजित की जाना अनिवार्य है। इस बैठक में आगामी चयन वर्ष की 31 दिसम्बर के पूर्वान्ह तक की स्थिति में उपलब्ध उद्भूत होने वाली समस्त संभावित एवं अप्रत्याशित रिक्तियों के लिए पदोन्नति के लिए लोक सेवकों की उपयुक्तता पर विचार किया जाएगा। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, पूर्व में 31 दिसम्बर,2025 के पूर्वान्ह तक की रिक्तियों के लिये एक विशेष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक इस नियम के प्रवृत्त होने के उपरांत की गई थी,जिसके आधार पर वर्ष 2026 में पदोन्नति की कार्यवाही की गई है अथवा प्रचलन में है।

भोपाल में वर्ग-3 शिक्षक अभ्यर्थियों ने चार घंटे तक किया चक्काजाम

भोपाल। भोपाल के एमपी नगर चौराहे पर प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के मेरिट होल्डर उम्मीदवारों ने चक्काजाम खत्म कर दिया है। एसडीएम लाखन सिंह चौधरी और पुलिस अधिकारियों से बातचीत के बाद वे सड़क से हट गए। उम्मीदवारों ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उम्मीदवारों ने कहा- शिक्षा मंत्री या मुख्यमंत्री स्तर पर बातचीत और समस्या के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई तो वे दोबारा चक्काजाम करेंगे। वह इतने दिनों से नियुक्ति को लेकर मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। चयनित अभ्यर्थी बलराम परमार ने बताया कि डीएसपी विकास और एसडीएम से बातचीत हुई है। अधिकारियों ने ज्ञापन लिया है। मांग ऊपर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा-कल शाम तक शिक्षा मंत्री या मुख्यमंत्री से बातचीत नहीं हुई। समस्या का समाधान नहीं हुआ तो दोबारा चक्काजाम किया जाएगा,तब तक अभ्यर्थी सड़क से हटकर अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। एसडीएम ने बताया कि उम्मीदवार भर्ती नियम के क्लॉज 49 का हवाला दे रहे हैं। उनका कहना है कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय डीएलएड की छिड़ी होना जरूरी था। एसडीएम ने कहा कि उम्मीदवारों का ज्ञापन लिया गया है। उनकी बात कलेक्टर के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। उम्मीदवार शिक्षा मंत्री, डीपीआई या शिक्षा विभाग के कमिश्नर स्तर पर बातचीत चाहते हैं।

एमडीआर चार्ज के विरोध में व्यापारियों ने किया सांकेतिक आंदोलन

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को व्यापारी यूपीआई चार्ज के विरोध में फिर से ‘नो-यूपीआई डे’ मनाएंगे। शोक दाल-चावल व्यापारी यह सांकेतिक प्रदर्शन करेंगे। वे 2 हजार रुपए से ज्यादा का पेमेंट ऑनलाइन नहीं लेंगे। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया कि यूपीआईआज व्यापार और आम जनता के लिए भुगतान का सबसे सरल, तेज और सुविधाजनक माध्यम बन चुका है। ऐसे में यूपीआई पर एचडीआर चार्ज लगाए जाने से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की ओर से 8 अक्टूबर को ‘नो यूपीआई डे’ के माध्यम से सरकार तक अपनी बात शान्तिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से पहुंचाई जाएगी। इस दिन बाजार के सभी व्यापारियों से अपील की गई है कि वे यूपीआई भुगतान स्वीकार न कर इस सांकेतिक विरोध में सहभागी बनें। चावल-दाल व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेश रामरख्यानो एवं सचिव सचिन संगतानी ने बताया कि व्यापारी डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में व्यापारियों ने हमेशा सहयोग किया है।

टेलिकम्युनिकेशन से सुदूर गांवों में भी बेहतर इलाज संभव: डॉ.चितावर

भोपाल। आज कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के माध्यम से अब चिकित्सा जगत कई चमत्कार कर रहा है। अब छोटे से गांवों और कस्बों में भी अच्छे चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। दूर-दराज के इलाकों से लोगों को बीमारियों के इलाज के लिए, हजारों किलोमीटर दूर जाने की जरूरत नहीं है। शहर में बैठे-बैटे रोबोटिक सर्जन अपनी गांवों तक विशेषज्ञता का लाभ दे रहे हैं। यह सब संभव हो पा रहा है टेलिकम्युनिकेशन की तकनीक से । एमसीयू में बुधवार को आयोजित टेड टॉक में आज के सत्र की विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चितावर ने ये बातें कहीं। ‘डॉक्टर भावे ने सर्जरी विदाउट बॉर्डर विषय पर दिए,अपने उद्बोधन में कई दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने विश्व की पहली टेलीसर्जरी से लेकर अब भारत में चिकित्सा जगत में हो रहे आधुनिकतम बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम कितने ही आगे बढ़ जाएं लेकिन एक डॉक्टर के अनुभव, विवेक और सर्जरी के समय निर्णय लेने की क्षमता का स्थान टेक्नोलॉजी नहीं ले सकती फिर भी जो कुछ रोबोटिक काम भारत में हो रहा है वह अचरज के साथ गर्व का भी विषय है। उन्होंने उदाहरण दिया कि अगर दूरस्थ सीमा पर हमारा कोई सैनिक घायल हो जा,जहाँ तुरंत और तत्काल डॉक्टर नहीं पहुँच सकता है तो ड्रोन कैमरा के माध्यम से सर्जरी संभव है।

राष्ट्र भक्ति की अलख उगता दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक कभीचा है और हम सब इसके माली

सेवा ज्योति यात्रा में समाज के हर वर्ग की रही सहभागिता



उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे अभियानों के माध्यम से देशवासियों को विकास की यात्रा से जोड़ने और सेवा के संकल्प को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश प्रभारी विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोपाल जिले का मुख्य कार्यक्रम रवींद्र भवन में आयोजित किया गया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री जगदीश

देवड़ा, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा,भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय सहित जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन को

वरुंअल माध्यम से सुना। इस अवसर पर मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने देश के लिए सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को और अधिक मजबूत करने का अवसर है।

उन्नत नस्ल के पशुपालकों में प्रथम आने वाले को मिलेंगे एक लाख रूपये : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री ने रतलाम में आयोजित बलराम कुंषि महोत्सव को उज्जैन से वरुंअली संबोधित किया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालकों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए वृंदावन ग्राम में पशु प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए। प्रथम आने वाले पशुपालक को सरकार एक लाख रुपये देगी। द्वितीय आने वाले को 50 हजार रुपये एवं तीसरे स्थान पर आने वाले को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का वितरण दीपावली पर गौवर्धन पूजा के अवसर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने बुधवार को रतलाम में आयोजित बलराम कुंषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वरुंअल संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रतलाम के किसान खेती में बदलाव के साथ अलग-अलग प्रकार की खेती कर रहे है। किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन, प्रोसेसिंग, पशुपालन एवं उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को अपना रहे है। किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ ही पम्प ऊर्जीकरण के लिए 30 लाख किसानों के खेतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रबी

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई,अवैध पक्की दूध डेयरी जेसीबी से तोड़ी गई



कई स्थानों से अवैध निर्माण और सड़क-फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए

भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल ने अतिक्रमणों के खिलाफ बुधवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण और सड़क-फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए। निगम की टीम ने पुरानी विधानसभा के सामने मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य में बाधक 13 दुकानों का सामान हटवाने के बाद दुकानों को जेसीबी मशीन से तोड़ा। वहीं, जिला प्रशासन की कार्रवाई में सहयोग करते हुए कोलार सनखेड़ी गिरधर परिसर क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई एक पक्की दूध डेयरी को भी जेसीबी से ध्वस्त किया गया। निगम अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों

के निराकरण के साथ निगम की नियमित अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के तहत की गई। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते के विभिन्न दलों ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई की। पुरानी विधानसभा के सामने मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य में बाधक बनीं 13 दुकानों का पहले सामान हटवाया गया। इसके बाद इन दुकानों को जेसीबी मशीन की मदद से तोड़ने की कार्रवाई की गई। निगम अमले ने इसके अलावा सड़क और फुटपाथ पर आवागमन में बाधक अस्थाई टॉनशेड, टपरे, दोपहिया और चारपहिया वाहन,लोरिडिंग ऑटो,बांस-बल्ली की चेलियां, चादर, कबाड़ और दुकानों के बाहर रखा सामान भी हटवाया। निगम के अतिक्रमण निरोधक दलों ने कोलार दामखेड़ा, सर्वधर्म कॉलोनी, मंदंकिनी परिसर, जेके अस्पताल, बिट्टन मार्केट, शाहपुरा, बागसेवनिया, बागमुगालिया, जाटखेड़ी, अरविंद विहार,अमराई, लिंक रोड नंबर 1, 2 और 3,10 नंबर स्टॉप,रानी कमलापति रेलवे स्टेशन,कमला पार्क, गिन्नोरी, इतवार,पुरानी सब्जी मंडी,अल्पना तिराहा,भोपाल टॉकीज, लक्ष्मी टॉकीज, शाहजहानाबाद,हमींदिया रोड, भोपाल गेट,गोलघर, संजय नगर पहाड़ी,पीपल चौराहा,करोंद चौराहा,भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, करोंद हाउसिंग बोर्ड, करोंद विश्वकर्मा नगर, बैरसिया रोड नवीबाग और लांबाखेड़ा सहित अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई की।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज मुंबई में उद्योग जगत से करेंगे निवेश संवाद

मुख्यमंत्री की उद्योग समूहों के साथ संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

भोपाल। मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों और औद्योगिक संभावनाओं को देश के प्रमुख उद्योग समूहों तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 8 अक्टूबर को मुंबई में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे। द सेंट रेंजिस, लोअर परेल में आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर संवादात्मक सत्र में मुख्यमंत्री डॉ.यादव उद्योगपतियों के साथ वन टू वन बैठकें करेंगे और प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा भी करेंगे। मुंबई देश के प्रमुख औद्योगिक,वित्तीय और कारोबारी समूहों का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ.



यादव का उद्योग जगत के साथ सीधा निवेश का संभावनाओं को लेकर चल रहे संपर्क अभियान का महत्वपूर्ण चरण होगा। संवाद के दौरान प्रदेश की औद्योगिक नीति, निवेश के लिए

उपलब्ध अवसरों तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकसित हो रहे औद्योगिक आधार से यह रेखांकित किया जाएगा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण बड़े बाजारों से जुड़ाव, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक अधोसंरचना

राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में वन्य-जीव सप्ताह-2026 का हुआ गरिमामय समापन

वन्य-जीव संरक्षण के प्रति जन-भागीदारी एवं जागरूकता बढ़ाने का लिया संकल्प

भोपाल। राजधानी भोपाल के राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में वन्य-जीव सप्ताह-2026 के समापन अवसर पर बुधवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्य-जीवों एवं जैव-विविधता के संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा वन्य-जीव संरक्षण में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक मनोज कुमार अग्रवाल ने सुरक्षित वन,समुद्ध वन्य-जीव,सशक्त समुदाय और वैज्ञानिक वन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। उन्होंने वन्य-जीव संरक्षण में जन-भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया,साथ ही कहा कि वन्य-जीव एवं जैव-विविधता का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है,बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन एवं वन्य-जीव मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वन्य-जीवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर वन विहार संचालक विजय कुमार द्वारा

स्वागत उद्बोधन में वन्य-जीव सप्ताह-2026 के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को वन्य-जीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा वन एवं वन्य-जीवों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलाई गई। उपस्थितजनों ने प्रकृति,वन्य-जीव एवं जैव-विविधता के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर भोपाल बर्ड फेस्टिवल-2027 के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह आयोजन भोपाल बर्ड्स संस्था द्वारा मध्य प्रदेश राज्य जैव-विविधता बोर्ड एवं मध्य प्रदेश वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के माध्यम से भोपाल की समृद्ध पक्षी विविधता,पक्षी संरक्षण एवं नागरिकों की सहभागिता को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। साथ ही बर्ड्स, कॉल्स ऑफ वन विहार नेशनल पार्क पोस्टर का भी विमोचन किया गया। यह पोस्टर भोपाल बर्ड्स एवं वन विहार नेशनल पार्क द्वारा तैयार किया गया है। इसके माध्यम से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाने वाले पक्षियों की विविधता एवं उनकी विशिष्ट आवाजों के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया गया है।

भर्ती प्रक्रिया में युवाओं का विश्वास बनाए रखने पारदर्शी व्यवस्था जरूरी : जीतू पटवारी

यूथ कॉन्क्लेव 2026 पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यूथ कॉन्क्लेव और प्रदेश की युवा नीति को लेकर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रोजगार,सरकारी विभागों में रिक्त पद,भर्ती परीक्षाओं में देरी,कथित पेपर लीक, लॉबित नियुक्तियों,ओबीसी आरक्षण, प्रदेश पर बढ़ते कर्ज और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सरकार से जवाब मांगा। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को पत्रकार वातां की संबोधित करते हुए पटवारी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की बस में आग लगाने की घटना का भी उल्लेख किया। पटवारी ने अगले वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी रोजगार देने की सरकार की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे पहले ढाई लाख और पांच लाख रोजगार देने की घोषणाएं भी की जा चुकी हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि पूर्व में की गई घोषणाओं के तहत कितने युवाओं को रोजगार मिला और अब एक लाख पदों पर भर्ती किन विभागों में और कितने पदों पर

होगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की साल में दो बार लोक सेवा आयोग की परीक्षा करने की घोषणा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केवल परीक्षाओं की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भर्ती प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करना जरूरी है। पटवारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में युवाओं का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने पेपर लीक के मामलों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी करने की मांग की। उन्होंने चयन प्रक्रिया पूरी कर चुके अभ्यर्थियों की लॉबित नियुक्तियां जल्द कराने और 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े लॉबित पदों की स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग सरकार से की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यूथ कॉन्क्लेव के दौरान युवाओं के लिए की गई व्यवस्थाओं और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने यूथ कॉन्क्लेव में गायक जुबिन नटियाल को बुलाए जाने और आयोजन में हुए खर्च का व्यौरा भी सार्वजनिक करने की मांग की।

निगम द्वारा सड़कों के गड्ढे भरने की कार्यवाही तीव्र गति से जारी

भोपाल। नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा नागरिकों की सुविधा के दृष्टिगत मुख्य मार्गों सहित अन्य मार्गों व सड़कों के गड्ढे भरने की कार्यवाही और तीव्र गति से की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के



अमले ने बुधवार को इंडन गार्डन, बाबाईया कलां गांव, पल्लवी नगर आदि क्षेत्रों के मार्गों/सड़कों पर वर्षा के कारण तथा टेलीकॉम कंपनी द्वारा किए गए कार्यों के कारण हुए गड्ढों को भरने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के द्वारा सड़कों के गड्ढे भरने एवं संधारण कार्य तीव्र गति से सुनिश्चित कराने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम के यांत्रिक विभाग द्वारा मुख्य मार्गों सहित अन्य मार्गों व सड़कों के गड्ढे भरने का कार्य और अधिक तेज गति से कराया जा रहा है। निगम के अमले को सागर इंडन गार्डन एवं बाबाईया कलां पल्लवी नगर में सड़कों पर गड्ढे होने की शिकायतें प्राप्त हुई जिस पर निगम अमले ने त्वरित गति से कार्यवाही करते हुए ने बुधवार को जित्त क. 13 के अंतर्गत सागर इंडन गार्डन क्षेत्र में सड़क के किनारे हुए गड्ढों को भरने की कार्यवाही की साथ ही इसी जोन क्षेत्र

के अंतर्गत बाबईया कलां रोड पर पल्लवी नगर के सामने एयरटेल कंपनी द्वारा किए गए गड्ढों को भरने की कार्यवाही की। निगम द्वारा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी गड्ढे भरने व सड़कों के संधारण कार्य किये जाने से नागरिकों को आवागमन में अत्यंत सुगमता हो रही है।